Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding review of income ceiling pertaining to creamy layer in OBC reservation.

श्री मलूक नागर (**बिजनौर**) **:** सर, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद । जब पिछले दिनों भारत सरकार में रीशफल हुआ था तो माननीय प्रधान मंत्री जी ने सदन में खड़े होकर पिछड़ों के बारे में बताया कि पिछड़ों में से ये-ये मंत्री लिए गए हैं । हम उनका दिल से धन्यवाद देते हैं कि पिछड़ों की बातचीत खुलकर हो रही है और उसमें भी इन कांग्रेसियों ने खिलाफत की है । मैं कहना चाहता हूं कि आपने लगभग 70 सालों तक पिछड़ों को नहीं देखा, उनकी तरफ ध्यान नहीं दिया, उनके वोट लिए, सरकार बनाई और मजे लिए । …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी मांग क्या है**?** जीरो अवर में आरोप-प्रत्यारोप नहीं ।

… (<u>व्यवधान</u>)

श्री मलूक नागर : अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहता हूं कि पिछड़े वर्ग में जाट, यादव, गुर्जर, पाल, सैनी, कश्यप, सोनार, कुम्हार, इत्यादि सभी वर्ग जो क्रीमी लेयर से संबंधित सरकार ने वर्ष 1993 में क्रीमी लेयर की सीमा आठ लाख रुपए रखी थी । उस समय इनकम टैक्स स्लैब एक लाख रुपए की थी, लेकिन अभी वह स्लैब साढ़े सात लाख रुपए की हो गई है, अगर इसको आधार मानें तो करीब 60 लाख रुपए होते हैं । इसलिए उस सीमा को आठ लाख रुपए से बढ़ा कर 60 लाख रुपए किया जाना चाहिए ।

कल ज्यूडिशियरी से संबंधित एक अमेंडमेंट बिल आया था । ज्यूडिशियरी में भी जाट, यादव, गुर्जर, पाल, सैनी, कश्यप, सोनार, कुम्हार, इत्यादि सभी पिछड़े वर्गों के लोगों को भी रिजर्वेशन दिया जाए । देश में पिछड़े और दलित वर्गों की जो सीट्स खाली पड़ी हैं, सरकार उनको जल्द भरे ।